TheHitavada
Nagpur City Line | 2024-09-12 | Page- 4
ehitavada.com

FROM THE COLLEGES

Science College, Congress Nagar

THE Zoology Department, Science College, Congress Nagar, Nagpur, had organised a one-day workshop titled 'Review of Zoology Syllabus (NEP 2020) for better understanding to maintain uniformity' in collaboration with Board of Studies, Zoology, RTM Nagpur University, Nagpur and DRB Sindhu Mahavidhyalaya, Nagpur, recently. Participants engaged in-depth discussions on integrating emerging areas like conservation biology, ecological informatics and biotechnology into the curriculum. Convener D r Sharyu Ghonmode, Professor, Department of Zoology, Science College, Nagpur emphasised the need for a unified approach to Zoology education. Speakers Prof Suresh C Masram (BOS Chairman, RTM-NU) dove into the specifics of the Zoology syllabus as per NEP 2020. Prof Yogesh Bhute (BOS Member, Management Counsellor, DRB Sindhu Mahavidyalaya) elucidated the intricacies of NEP 2020. During the panel discussion, faculty members shared doubts, concerns, and suggestions related to syllabus implementation. Co-ordinator and HoD, Dr A D Bobdey played pivotal role in organising this event. The teaching staff, including Dr S S Deshmukh, Dr R P Bhagat, Khushboo Sheikh, Dr Shilpa Katre, Dr Lankesh Bhaisare, Mansi Gawande and non-teaching staff members Prashant Khundalkar, Shubham Kalbande, Hemant Dhawad ensured the smooth execution of workshop.

न्यू एजुकेशन पॉलिसी 2020 के जूलॉजी पाठ्यक्रम की समीक्षा पर वर्कशॉप

सिटी भास्कर | नागपुर

न्यू एजुकेशन पॉलिसी 2020 पाठ्यक्रम पर एक दिवसीय वर्कशॉप का आयोजन कांग्रेस नगर स्थित शिवाजी साइंस के जूलॉजी डिपार्टमेंट में किया गया। जूलॉजी स्टडीज बोर्ड, राष्ट्रसंत तुकड़ोजी महाराज नागपुर यूनिवर्सिटी और सिंधु महाविद्यालय के संयुक्त तत्वाधान में जूलॉजी पाठ्यक्रम की समीक्षा की गई। इसका मुख्य उद्देश्य फैकल्टी और छात्रों को पाठ्यक्रम को बेहतर ढंग से समझने में सक्षम बनाना और इस एक दिवसीय वर्कशॉप के शिक्षण को सुव्यवस्थित करना था। इसमें विशेषज्ञ एक साथ आए और नागपुर विवि से संबद्ध विभिन्न संस्थानों के लगभग 100 प्रतिनिधियों ने वर्कशॉप में भाग लिया।

इन विषयों पर हुई चर्चा

वर्कशॉप में प्रतिभागियों ने छात्रों के सामने आने वाली चुनौतियों और अवसरों को संबोधित करने, अंतःविषय दृष्टिकोण, कौशल आधारित शिक्षा और महत्वपूर्ण सोच पर ध्यान केंद्रित करने, संरक्षण जीव विज्ञान, पर्यावरण सूचना विज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी जैसे उभरते क्षेत्रों के इंटीग्रेशन पर एनईपी 2020 के उद्देश्यों पर गहराई से चर्चा की गई।

इंटीग्रेटेड अप्रोच की जरूरत

वर्कशॉप को-ऑर्डिनेटर डॉ. शरयू वी. घोनमोडे ने जूलॉजी एजुकेशन के लिए एक इंटीग्रेटेड अप्रोच की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि यह वर्कशॉप एक दूरगामी पाठ्यक्रम बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह उम्मीद की जाती है कि हमारे छात्र मॉर्डन एरा की परेशानियों से निपटते हुए विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम हों। वक्ता प्रो. सुरेश सी. मसराम ने एनईपी 2020 के अनुसार जूलॉजी पाठ्यक्रम की विशेषताओं का अध्ययन किया। उन्होंने शिक्षकों के सामने आने वाली आम चुनौतियों को संबोधित किया और व्यावहारिक समाधान पेश किए। प्रो योगेश भूते ने एनईपी 2020 की जटिलताओं के बारे में बताया। उन्होंने एनईपी 2020 में उल्लिखित नियमों और विनियमों के बारे में भी विस्तार से बताया। लचीलापन और अंतःविषय दृष्टिकोण पैनल चर्चा के दौरान, फैकल्टी सदस्यों ने पाठ्यक्रम के कार्यान्वयन से संबंधित संदेह, चिंताओं और सुझावों को शेयर किया।

epaper-bhaskarhindi-com.wl6-demo.readwhere.com
दैनिक भास्कर
Thu, 12 September 2024
https://epaper.bhaskarhindi.com/c/75831086

नवभारत

कैम्पस/CAMPUS 9226576372

जूलॉजी बीओएस की एनईपी पर कार्यशाला

नागपुर, महानगर संवादाता. एसएसईएस आर्ट, साइंस कॉलेज के जूलॉजी विभाग की ओर से एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई. बोर्ड ऑफ स्टडीज (बीओएस), जूलॉजी, नागपुर विवि व डीआरबी सिंधु महाविद्यालय के सहयोग हुई कार्यशाला में 100 से अधिक प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया. कार्यशाला का उद्देश्य अंतःविषय दृष्टिकोण, कौशल-आधारित शिक्षा और महत्वपूर्ण सोच पर ध्यान केंद्रित करते हुए एनईपी द्वारा प्रस्तुत चुनौतियों और अवसरों का समाधान करना है. प्रतिभागियों ने संरक्षण जीव विज्ञान, पारिस्थितिक सूचना विज्ञान जैसे उभरते क्षेत्रों को एकीकृत करने पर गहन चर्चा की. संयोजक डॉ. सरयू घोनमोडे ने जूलॉजी शिक्षा के लिए एक एकीकृत दृष्टिकोण की आवश्यकता पर जोर दिया. वक्ता प्रो. सुरेश मसराम ने एनईपी के अनुसार प्राणीशास्त्र पाठ्यक्रम की बारीकियों पर ध्यान दिया. प्रो योगेश भुते ने नियमों और विनियमों को भी सावधानीपूर्वक समझाया. समन्वयक एवं विभागाध्यक्ष डॉ. एडी बोबडे, डॉ. एसएस देशमुख, डॉ. आरपी भगत, खुशबू शेख, डॉ. शिल्पा कटरे, डॉ. लंकेश भाईसारे, मानसी गावंडे, प्रशांत खुंडलकर, शुभम कालबंदे, हेमन्त धवड़ ने कार्यशाला का सुचारु क्रियान्वयन सुनिश्चित किया.

प्राणीशास्त्र विषयातील विद्यार्थी जागतिक क्षमतेचे झाले पाहिजे : डॉ. शरयू घोनमोडे

नागपूर : प्राणीशास्त्र विभाग, विज्ञान महाविद्यालय, काँग्रेस नगर, नागपूर येथे NEP 2020 अभ्यासक्रमावर एक दिवसीय कार्यशाळा नुकतीच आयोजित केली होती. प्राणीशास्त्र विभाग, शिवाजी विज्ञान महाविद्यालय, काँग्रेसनगर, नागपूर, प्राणीशास्त्र अभ्यास मंडळ, रा.तू.म. नागपूर विद्यापीठ, नागपूर आणि सिंधू महाविद्यालय, नागपूर यांच्या संयुक्त विद्यमाने 'प्राणीशास्त्र अभ्यासक्रमाचे पुनरावलोकन' (एनईपी 2020) यावर नुकतीच कार्यशाळा आयोजित केली होती. या कार्यशाळेचा मुख्य उद्देश म्हणजे प्राध्यापकांना व विद्यार्थ्यांना अभ्यासक्रम अधिक चांगल्या प्रकारे समजून घेता यावा व हा अभ्यासक्रम शिकवितांना सुसूत्रता आणण्यासाठी या एक दिवसीय कार्यशाळेचे आयोजन केले होते. कार्यशाळे मध्ये NEP 2020 च्या उद्दिष्ट्यानुसार विद्यार्थ्यांसमोर असलेली आव्हाने आणि संधींचे निराकरण करणे, आंतरविद्याशाखीय दृष्टिकोन, कौशल्य-आधारित शिक्षण आणि गंभीर विचार यावर लक्ष केंद्रित करणे, संवर्धन जीवशास्त्र, पर्यावरणीय माहितीशास्त्र आणि जैवतंत्रज्ञान यासारख्या उदयोन्मुख क्षेत्रांना अभ्यासक्रमात एकत्रित करण्यावर सहभागींनी सखोल चर्चा केली. कार्यशाळेच्या संयोजक डॉ. शरयू व्ही. घोनमोडे, प्राध्यापिका, प्राणीशास्त्र विभाग, विज्ञान महाविद्यालय, नागपूर यांनी प्राणीशास्त्र शिक्षणाकडे एकत्रित दृष्टीकोन असण्याच्या गरजेवर भर देताना सांगितले की, 'ही कार्यशाळा एक दूरगामी अभ्यासक्रम तयार करण्याच्या दिशेने एक महत्त्वपूर्ण पाऊल आहे. प्रख्यात वक्ते प्रा. सुरेश सी. मसराम यांनी एनईपी 2020 नुसार प्राणीशास्त्र अभ्यासक्रमाच्या वैशिष्ट्यांचा अभ्यास केला. प्रा. योगेश भुते यांनी NEP 2020 ची गुंतागुंत विशद केली. पॅनेल चर्चेदरम्यान, प्राध्यापक सदस्यांनी अभ्यासक्रमाच्या अंमलबजावणीशी संबंधित शंका, चिंता आणि सूचना शेअर केल्या. या कार्यक्रमाच्या आयोजनात समन्वयक आणि विभागप्रमुख डॉ. ए.डी. बोबडे यांनी मोलाची भूमिका बजावली. डॉ. एस. एस. देशमुख, डॉ. आर. पी. भगत, खुशबू शेख, डॉ. शिल्पा कात्रे, डॉ. लंकेश भैसारे, मानसी गावंडे यांच्यासह शिक्षक कर्मचारी उपस्थित होते. शिक्षकेतर कर्मचारी प्रशांत खुंडलकर, शुभम काळबांडे, हेमंत धवड यांनी कार्यशाळा सुरळीत पार पाडावी म्हणून परिश्रम घेतले.